विश्व शतरंज ओलम्पियाड मशाल के आगमन के अवसर पर
महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान का सम्बोधन

(दिनांक 06.07.2022, समय– पूर्वा० 9.20 बजे, स्थान–ज्ञान भवन, पटना)

पाटलीपुत्र की पावन धरती पर आज शतरंज ओलम्पियाड की मशाल को हस्तगत करते हुए मुझे काफी खुशी हो रही है। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि देश की आजादी के 75वें वर्ष में अमृत महोत्सव के अवसर पर भारत में विश्व शतरंज ओलम्पियाड का पहली बार आयोजन किया जा रहा है। विश्व शतरंज महासंघ द्वारा 44वीं शतरंज ओलम्पियाड का आयोजन तमिलनाडु के चेन्नई में 28 जुलाई से 10 अगस्त, 2022 तक किया जायेगा।

शतरंज के इस महाकुंभ का आयोजन पहली बार इस खेल की जन्मभूमि भारत में किया जाना अत्यंत गौरव का विषय है। मुझे बताया गया कि इस प्रतियोगिता में शतरंज के अब तक के इतिहास में सर्वाधिक टीम और देश भाग ले रहे हैं। अब तक पुरूष वर्ग में 187 एवं महिला वर्ग में 162 देशों की टीम के खेलने की पुष्टि हो चुकी है जो अपने आप में एक नया कीर्तिमान है।

शतरंज की शुरूआत भारत में आज से हजारों वर्ष पूर्व हुई थी। ऐसा माना जाता है कि महाभारत काल में इसका प्रादुर्भाव हुआ है। शतरंज को एक रणनीतिक एवं युद्ध कौशल का खेल होने के कारण इसे हमेशा से उच्च दर्जे का खेल माना जाता है। आज के इस आधुनिक युग में मानव और मशीन की बुद्धिमत्ता के आकलन के लिए भी शतरंज को आधार बनाया जाता है। बच्चों को मानसिक रूप से विकसित करने, उनकी तार्किक क्षमता बढाने, योजना बनाने तथा बेहतर ढंग से सोचने एवं कार्य करने की अद्भुत क्षमता का विकास करने में शतरंज महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

भारत के सुपर ग्रैण्ड मास्टर विश्वनाथन आनंद ने विश्व शतरंज पटल पर भारत के तिरंगा को सबसे उच्च दर्जा दिलाया और विश्व चैम्पियनशिप का खिताब सहित शतरंज का नोबेल जीतकर भारत का मान सम्मान बढ़ाया है। आज भारत शतरंज जगत में 75 से अधिक ग्रैण्ड मास्टर और 125 से अधिक इंटरनेशनल मास्टर के साथ दुनिया की महाशक्ति बन चुका है। दक्षिण भारत में शतरंज अब सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है। अखिल भारतीय शतरंज संघ और विश्व शतरंज संघ द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों से आने वाले समय में शतरंज भारत के सभी विद्यालयों में खेला जानेवाला एक लोकप्रिय खेल बन सकता है। इससे इस खेल का भारत में और अधिक विकास होगा।

आज ग्रैण्ड मास्टर श्री प्रवीण थिप्से की अगुआई में शतरंज ओलम्पियाड की मशाल भारत के 75 शहरों में जाने के क्रम में पटना आयी है। आचार्य चाणक्य, भगवान महावीर एवं गौतम बुद्ध जैसे अनेकानेक महापुरूषों की जन्मभूमि एवं कर्मभूमि रही इस पाटलीपुत्र की धरती पर हम इसका हार्दिक स्वागत करते हैं।

मैं विश्व शतरंज ओलम्पियाड में भाग लेनेवाले सभी प्रतिभागियों के प्रति अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ एवं इस आयोजन की सफलता की हार्दिक मंगलकामना करता हूँ। आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद!

जय हिन्द!

***